आकाशदीप की चोट के बाद केकेआर में सौरव दुबे की एंट्री

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

शैतान के बाद अजय देवगन का नया सफ़र

Page-05

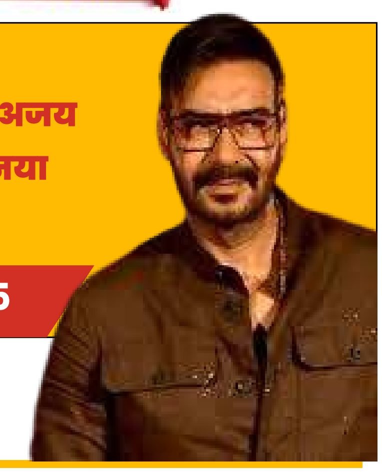

मिडिल ईस्ट युद्ध :अमेरिका में बढ़ा विरोध, 66% लोगों ने बताया 'गैर-जरूरी

अंतरराष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष आज 24वें दिन में प्रवेश कर चुका है। लगातार हमलों और जवाबी कार्रवाई के चलते पूरे क्षेत्र में हालात गंभीर बने हुए हैं और भारी तबाही देखी जा रही है।एक तरफ अमेरिका और इज़रायल ईरान पर लगातार हमले कर रहे हैं, वहीं ईरान भी जवाबी कार्रवाई करते हुए इज़रायल और अमेरिका के सहयोगी मिडिल ईस्ट देशों को निशाना बना रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ संकेत दिए हैं कि वे सीजफायर के पक्ष में नहीं हैं और ईरान के खिलाफ निर्णायक जीत चाहते हैं। दूसरी ओर, ईरान ने भी झुकने से इनकार कर दिया है।हाल ही में एक अमेरिकी मीडिया सर्वे में सामने आया कि 66% अमेरिकी नागरिक इस युद्ध को गैर-जरूरी मानते हैं। उनका कहना है कि यह संघर्ष जरूरी नहीं था और इसे टाला जा सकता था। वहीं 34% लोगों का मानना है कि ईरान के खिलाफ कार्रवाई जरूरी थी।युद्ध का असर आम लोगों की जिंदगी पर भी साफ दिख रहा है। पेट्रोल और गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे जनता में नाराजगी बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर तेल-गैस संकट गहराने से महंगाई का दबाव बढ़ता जा रहा है।

अखिलेश यादव ने 'PDA' को दिया नया अर्थ:

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 'PDA' के नारे को नया और व्यापक रूप देते हुए इसमें महिलाओं को भी शामिल कर लिया है। अब तक 'PDA' का मतलब पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक था, लेकिन अब 'A' का अर्थ 'आधी आबादी' यानी महिलाओं से भी जोड़ा गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में 'स्त्री सम्मान-समृद्धि योजना' लागू की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर बच्ची, युवती और महिला को समान अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भर बनने के अवसर देना उनकी प्राथमिकता है।

Narendra Modi, Prime Minister

पीएम मोदी का बड़ा बयान

पेट्रोल, डीजल की कमी नहीं होगी

बजट सत्र में पश्चिम एशिया संकट, पेट्रोलियम आपूर्ति और शिक्षा नीति पर चर्चा

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण जारी है और सोमवार को लोकसभा तथा राज्यसभा में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। दिन की शुरुआत दोनों सदनों में शहीद दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनकी वीरता और बलिदान को याद करते हुए कहा कि इन महान क्रांतिकारियों ने देश की आजादी और एक सशक्त राष्ट्र की नींव रखी। वहीं राज्यसभा में सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि आज देशवासी जिस आजादी का आनंद ले रहे हैं, वह इन्हीं स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का परिणाम है।लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर अपनी बात रखते हुए कहा कि वहां चल रहे संघर्ष ने भारत के सामने कई नई और अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। हालांकि उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और हालात से निपटने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई

- **पश्चिम एशिया के तनाव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और देश में पेट्रोल, डीजल व एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं।**
- **संसद के दोनों सदनों में शहीद दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि दी गई, साथ ही बजट और नीतिगत मुद्दों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।**

कमी न हो, इसके लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भारत के पास 53 लाख मीट्रिक टन का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार उपलब्ध है, जिससे आपूर्ति को संतुलित बनाए रखने में मदद मिल रही है।प्रधानमंत्री ने किसानों के हितों को लेकर भी सरकार के प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने, नए यूरिया संयंत्र स्थापित करने और डीएपी व एनपीके जैसे उर्वरकों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने जैसे कई कदम उठाए गए हैं, ताकि संकट की स्थिति में किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो।वहीं, राज्यसभा में निजी स्कूलों द्वारा हर साल बढ़ाई जाने वाली फीस को लेकर भी मुद्दा उठा। सदस्यों ने इस पर नियंत्रण के लिए एक पारदर्शी नियामक व्यवस्था बनाने की मांग की। लोकसभा में वित्त विधेयक 2026 पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद अमर सिंह ने केंद्र सरकार पर कॉरपोरेट क्षेत्र को ज्यादा राहत देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में निजी कंपनियां आम लोगों की तुलना में कम कर दे रही हैं और बजट में दी गई कई रियायतें मुख्य रूप से बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों के पक्ष में हैं।

मंत्री नंदिता गरलोसा BJP छोड़ कांग्रेस में शामिल

असम की हिमंत बिस्वा सरमा सरकार में खेल और युवा कल्याण मंत्री रहीं नंदिता गरलोसा ने विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक कदम उठाते हुए BJP छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया है। बताया जा रहा है कि उन्हें पार्टी की ओर से टिकट नहीं मिलने के बाद यह फैसला लिया गया।कांग्रेस के अनुसार, नंदिता गरलोसा दिमा हसाओ जिले की हाफलोंग विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगी। पहले इस सीट से कांग्रेस ने अपने राज्य महासचिव निर्मल लंगथासा को टिकट दिया था, लेकिन उन्होंने गरलोसा के समर्थन में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने पर सहमति जताई।कांग्रेस ने अपने बयान में गरलोसा का स्वागत करते हुए कहा कि वह पिछले पांच वर्षों से दिमा हसाओ की मजबूत आवाज रही हैं और हमेशा अपने सिद्धांतों पर अडिग खड़ी रही हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि BJP में उन्हें अपने विचारों की कीमत चुकानी पड़ी, क्योंकि राज्य सरकार की प्राथमिकता आदिवासी जमीनों को बड़ी कंपनियों को सौंपना है।वहीं, BJP ने इस बार हाफलोंग सीट से रुपाली लांगथासा को उम्मीदवार बनाया है। नंदिता गरलोसा ने मंत्री पद और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा देने के तुरंत बाद कांग्रेस जॉइन कर ली।

जम्मू यूनिवर्सिटी में: सिलेबस को लेकर नया विवाद

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

जम्मू यूनिवर्सिटी में एमए पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस को लेकर नया विवाद सामने आया है। विभागीय मामलों की समिति (DAC) ने मोहम्मद अली जिन्ना, सर सैयद अहमद खान और मोहम्मद इकबाल से जुड़े टॉपिक्स को हटाने की सिफारिश की है। इस प्रस्ताव पर अंतिम फैसला 24 मार्च को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में लिया जाएगा। दरअसल, पॉलिटिकल साइंस के 'माइनॉरिटीज एंड द नेशन' पेपर में जिन्ना के राजनीतिक विचारों को शामिल किए जाने के बाद विवाद शुरू हुआ। इसको लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) ने यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन करते हुए इन विषयों को हटाने की मांग की। संगठन का कहना है कि अकादमिक स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्रीय भावनाओं और ऐतिहासिक तथ्यों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। ABVP के जम्मू-कश्मीर राज्य सचिव सन्नक श्रीवत्स के मुताबिक, पहले जिन्ना का उल्लेख 'टू-नेशन थ्योरी' के संदर्भ में किया जाता था, जहां उन्हें विभाजन की विचारधारा से जोड़ा जाता था।

नासिक का 'फर्जी गॉडमैन' गिरफ्तार: शोषण, ब्लैकमेलिंग और 500 करोड़ की संपत्ति का खुलासा

महाराष्ट्र के नासिक में खुद को ज्योतिषी और 'गॉडमैन' बताने वाला अशोक खरात उर्फ 'कैप्टन खरात' अब पुलिस की गिरफ्त में है। उस पर महिलाओं के शोषण, नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म, धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर उगाही और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। मामले की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।रविवार को पुलिस ने आरोपी से 7 घंटे से अधिक पूछताछ की। पूछताछ के बाद जब उसे बाहर लाया गया, तो उसकी स्थिति बदली हुई दिखाई दी। गिरफ्तारी से पहले खुद को प्रभावशाली बताने वाला खरात अब बिना सहारे के ठीक से चल भी नहीं पा रहा था। जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित दैवीय शक्तियों के नाम पर लोगों को जाल में फंसाता था। खासकर महिलाओं को भरोसे में लेकर उन्हें नशीला पदार्थ देने और फिर उनका शोषण करने के आरोप सामने आए हैं। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस गिरोह का शिकार और कितनी महिलाएं हुई हैं।

रुपया ऐतिहासिक गिरावट पर

डॉलर के मुकाबले 93.94 के ऑल-टाइम लो पर पहुंचा

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया लगातार दबाव में बना रहा और 41 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.94 के अपने नए ऑल-टाइम लो पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के साथ-साथ मजबूत डॉलर ने रुपये को और कमजोर कर दिया है।इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 93.84 पर खुला और थोड़ी ही देर में गिरकर 93.94 तक पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर 93.53 के मुकाबले 41 पैसे की गिरावट है। इससे पहले शुक्रवार को भी रुपया पहली बार 93 के पार गया था और 64 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ था।फॉरेक्स ट्रेडर्स के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने रुपये पर अतिरिक्त दबाव बनाया है। भारत खाड़ी देशों से आयात होने वाले तेल के लिए अब प्रति बैरल करीब 50 डॉलर अधिक चुका रहा है, जिससे आयात बिल बढ़ा है और डॉलर की मांग तेज हुई है।फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी हेड और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनिल कुमार भंसाली के अनुसार, बाजार में डॉलर की भारी मांग के कारण रुपया तेजी से गिरा है। उन्होंने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अलग-अलग स्तरों पर मौजूद रहा, लेकिन डॉलर की अधिक मांग के चलते रुपये को गिरने दिया गया।इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी निवेशकों (FPI) की लगातार बिकवाली ने भी रुपये को कमजोर किया है। जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण निवेशक भारतीय बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया संकट पर विस्तार से चर्चा की

एकजुट कार्रवाई की अपील की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया संघर्ष पर चिंता जताई। उन्होंने आर्थिक, सुरक्षा और मानवीय चुनौतियों का हवाला देते हुए संसद से एकजुट आवाज की अपील की। भारत ने प्रभावित नागरिकों को सहायता दी और एलपीजी व तेल आपूर्ति में स्थिरता बनाए रखने के प्रयास तेज किए।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर अपनी बात रखते हुए स्थिति की गंभीरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह संकट तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी है और इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य एवं पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने संसद को इस विषय पर आवश्यक जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध ने भारत के सामने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय दृष्टिकोण से गंभीर हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक व्यापारिक संबंध हैं और यह क्षेत्र विश्व के अन्य देशों के साथ भारत के व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मार्ग भी है। विशेष रूप से, कच्चे तेल और गैस की हमारी आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है, जिससे भारत की चिंता स्वाभाविक है। मोदी ने संसद से आग्रह किया कि इस संकट पर एकजुट और सम्मिलित आवाज विश्व स्तर तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि संघर्ष का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और इसका शीघ्र समाधान आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने बताया कि युद्धग्रस्त क्षेत्रों में मौजूद भारतीयों को हर संभव सहायता प्रदान की गई है। अब तक तीन लाख से अधिक भारतीय प्रभावित देशों से लौट चुके हैं, जिनमें ईरान से निकाले गए 1,000 से अधिक लोग शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग 1 करोड़ भारतीयों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों और भारतीय चालक दल की संख्या भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, कच्चा तेल, गैस और उर्वरक होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचते हैं, जहां जहाजों की आवाजाही युद्ध के कारण कठिन हो रही है।मोदी ने यह भी बताया कि सरकार आपूर्ति में किसी भी बाधा को रोकने और नागरिकों को असुविधा न होने देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि देश अपनी एलपीजी आवश्यकताओं का लगभग 60% आयात करता है और स्थिरता बनाए रखने के लिए घरेलू उत्पादन को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि युद्ध ने भारत के सामने न केवल आर्थिक और सुरक्षा संबंधी, बल्कि मानवीय चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित और युद्धग्रस्त देशों के साथ भारत के व्यापारिक संबंध और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है। मोदी ने संसद से अपील की कि इस संकट पर एकजुट और साझा दृष्टिकोण विश्व स्तर तक पहुंचना चाहिए, ताकि संघर्ष के शीघ्र समाधान में मदद मिल सके।इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों की सुरक्षा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखना और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक दृष्टि से यह संकट बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए भारत की सक्रिय और संयमित भूमिका आवश्यक है।

पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर गिरफ्तार अफसर को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला सामने

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब के पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को सोमवार दोपहर फतेहगढ़ साहिब जिले के मंडी गोविंदगढ़ से एक गोदाम निगम अधिकारी की आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। अमृतसर स्थित पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा को परेशान करने के आरोपों के बाद राज्य मंत्री भुल्लर ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। रंधावा की कथित तौर पर उसी दिन जहर खाने से मौत हो गई थी। गिरफ्तारी अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला द्वारा संसद में यह मुद्दा उठाने के ठीक दो घंटे बाद हुई, जिसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस पर प्रतिक्रिया दी। औजला सदन से निकलने ही वाले थे कि उन्होंने शाह से अपनी बात सुनने का अनुरोध किया। इस पर शाह ने जवाब दिया कि यदि पंजाब के सभी सांसद मिलकर लिखित अनुरोध प्रस्तुत करें, तो वे तुरंत सीबीआई जांच का आदेश देंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि यदि पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के एक अधिकारी की आत्महत्या के मामले में प्रदेश के सांसद पत्र लिखकर दें तो वह इस मामले की सीबीआई जांच कराने का आदेश दे देंगे। सदन में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने यह विषय उठाया। औजला ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है कि इसकी जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से कराई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार के एक मंत्री की धमकी के बाद अधिकारी को खुदकुशी जैसा कदम उठाना पड़ा।

गर्मियों की भीषण गर्मी में डिहाइड्रेशन से हो सकता है खतरा, हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीज रखें खास सावधानी

वैश्विक तनाव और मतभेदों के बीच भारत की भूमिका निर्णायक

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

ब्रिक्स के विस्तार ने वैश्विक शक्ति संतुलन को चुनौती देते हुए भारत के लिए निर्णायक भूमिका की राह खोल दी है। पहले केवल पांच देशों के समूह के रूप में मौजूद ब्रिक्स का वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सा 31 प्रतिशत था, जो नए सदस्य देशों के जुड़ने के बाद 37-40 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जनसंख्या के लिहाज से यह समूह अब दुनिया की लगभग 45 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। भारत के लिए सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह मंच डॉलर आधारित वैश्विक वित्तीय व्यवस्था का विकल्प मजबूत करने में मदद करेगा। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसी संस्थाओं के माध्यम से स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने से भारत को विदेशी मुद्रा दबाव से राहत मिलेगी और आर्थिक संप्रभुता मजबूत होगी। सामरिक रूप से, ब्रिक्स विस्तार से भारत की पहुंच पश्चिम एशिया और अफ्रीका के ऊर्जा और रणनीतिक क्षेत्रों तक बढ़ेगी। चीन की इस क्षेत्र में पकड़ को संतुलित करने में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। भारत की सक्रिय भागीदारी से यह मंच वैश्विक संकटों के समाधान के लिए प्रभावी बन सकता है। हालांकि, ब्रिक्स के भीतर मतभेद और वैश्विक तनाव चुनौतियां भी प्रस्तुत कर रहे हैं। चीन-भारत सीमा विवाद, रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष और पश्चिम एशिया के संकट मंच की एकता की परीक्षा ले रहे हैं। फिर भी, साझा आर्थिक हित और बहुपक्षीय संतुलन बनाए रखने की जरूरत इसे सक्रिय बनाए रखती है। भारत, ब्रिक्स अध्यक्ष के रूप में, शांति और कूटनीति को बढ़ावा देकर अपनी वैश्विक छवि मजबूत कर सकता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में भारत की पहलें अन्य सदस्य देशों के लिए मॉडल बन सकती हैं।ब्रिक्स का विस्तार भारत के लिए केवल भागीदारी नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और रणनीतिक अवसर का वरदान है। यदि भारत इस मंच का प्रभावी उपयोग करता है, तो वह न केवल अपनी शक्ति बढ़ा सकता है, बल्कि नई विश्व व्यवस्था में केंद्रीय भूमिका निभा सकता है।

अराघची ने अमेरिकी अल्टीमेटम को बताया 'विश्वासघात', कहा अब कोई बातचीत संभव नहीं

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम देने के बाद, ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ सभी वार्ता समाप्त हो चुकी हैं। अराघची ने इस स्थिति को 'कड़वा अनुभव' और 'विश्वासघात' करार देते हुए बताया कि हालिया संघर्ष ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। अराघची ने एक्स प्लेटफॉर्म पर जारी किए गए एक संक्षिप्त वीडियो संदेश में कहा कि अमेरिका ने हमले न करने के वादे के बावजूद ईरान पर हमला किया, जिससे वार्ता के सभी प्रयास और भरोसे को दरकिनार कर दिया गया। उन्होंने बताया कि अब अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की कूटनीतिक बातचीत की गुंजाइश नहीं है। मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध में अमेरिका, इज़राइल और ईरान तीनों पक्ष अपने-अपने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और क्षेत्रीय ठिकानों को निशाना बनाते हुए चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुके हैं। सभी पक्षों ने हमलों को और तेज करने की चेतावनी दी है। इस बीच, होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति विशेष रूप से गंभीर बनी हुई है। ट्रंप ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी कि 48 घंटे के भीतर जलडमरूमध्य को खोलना अनिवार्य है। ईरान ने स्पष्ट किया कि जलडमरूमध्य केवल उसके दुश्मनों के लिए बंद है और क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा बनाए रखने के लिए वह क्षेत्रीय शक्तियों के साथ सहयोग करने को तैयार है। साथ ही, ईरान ने चेतावनी दी कि अगर उसके बिजली संयंत्रों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया तो वह जलडमरूमध्य को पूरी तरह से बंद कर सकता है। सोमवार को ईरानी मीडिया ने इज़राइल में संभावित लक्ष्यों के इन्फोग्राफिक्स जारी किए, जिनमें ओरोट राबिन और रुटेनबर्ग के बिजली संयंत्र शामिल हैं। यह संकेत माना जा रहा है कि ईरान जवाबी कार्रवाई के दौरान इज़राइल के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को भी निशाना बना सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व व्यापार और तेल परिवहन के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है, और यहां तनाव बढ़ने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। वर्तमान में सभी अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें इस क्षेत्र पर टिकी हुई हैं और युद्ध के जल्द समाप्त होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। इस बीच, अमेरिका और इज़राइल के कूटनीतिक और सैन्य कदम ईरान के प्रति प्रतिक्रिया स्वरूप तेज होते जा रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

भारत-रूस व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य: विदेश मंत्री एस. जयशंकर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को भारत और रूस के लंबे समय से चले आ रहे संबंधों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों देश 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह बात 'भारत और रूस: एक नए द्विपक्षीय एजेंडा की ओर' सम्मेलन को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कही। जयशंकर ने रूसी अंतर्राष्ट्रीय मामलों की परिषद और मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि यह पहल लगातार दूसरे वर्ष आयोजित की जा रही है।विदेश मंत्री ने बताया कि वर्तमान वार्षिक व्यापार लगभग 68.7 अरब अमेरिकी डॉलर है और इसे संतुलित एवं सतत तरीके से 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए दोनों पक्ष गैर-टैरिफ बाधाओं और नियामक अड़चनों को दूर करने के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत-रूस का सहयोग दशकों से क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति को बढ़ावा देता रहा है। दोनों देशों के बीच विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित विशेष रणनीतिक साझेदारी स्थापित है, जो बदलती वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों में और गहरी होती जा रही है।जयशंकर ने दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा का भी उल्लेख किया, जिसने कुशल पेशेवरों की आवाजाही, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा, समुद्री सहयोग, उर्वरक, सीमा शुल्क, वाणिज्य, शैक्षणिक और मीडिया सहयोग जैसे कई नए आयाम स्थापित किए। उन्होंने कहा कि रूस भारत का प्रमुख साझेदार है, विशेषकर नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में, और कुडनकुलम परमाणु परियोजना इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता 100 गीगावाट तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। इसके अलावा, जयशंकर ने भारत और रूस के बीच कला, योग, आयुर्वेद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास जताया कि कज़ान और येकातेरिनबर्ग में नए वाणिज्य दूतावास आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को और मजबूत करेंगे।

संपादक की कलम से

वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई देश की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक बन चुकी है। रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम आदमी का जीवन कठिन होता जा रहा है। चाहे खाद्य पदार्थ हों, ईंधन हो या अन्य आवश्यक सेवाएँ—हर क्षेत्र में कीमतों में वृद्धि देखी जा रही है। इसका सीधा असर मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग के लोगों पर पड़ता है, जिनकी आय सीमित होती है। महंगाई के कई कारण हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएँ, और प्राकृतिक आपदाएँ प्रमुख कारणों में शामिल हैं। इसके अलावा, कभी-कभी सरकारी नीतियाँ और कर व्यवस्था भी कीमतों को प्रभावित करती हैं। जब उत्पादन लागत बढ़ती है, तो उसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर ही पड़ता है।बढ़ती महंगाई का सबसे बड़ा प्रभाव यह होता है कि लोगों की क्रय शक्ति घट जाती है। पहले जो वस्तुएँ आसानी से उपलब्ध थीं, वे अब महंगी हो जाती हैं और आम आदमी को अपने खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। इसका असर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर भी पड़ता है। कई परिवारों को अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने, करों में राहत देने और रोजगार के अवसर बढ़ाने जैसे उपाय किए जा सकते हैं। साथ ही, कृषि और उद्योग क्षेत्रों को मजबूत बनाकर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, जिससे आपूर्ति में सुधार होगा और कीमतें नियंत्रित रहेंगी।आम नागरिकों को भी अपने खर्चों का सही प्रबंधन करना चाहिए और अनावश्यक खर्चों से बचना चाहिए। बचत की आदत और बजट बनाकर चलना इस चुनौती से निपटने में सहायक हो सकता है। अंततः बढ़ती महंगाई एक जटिल समस्या है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यदि सरकार, उद्योग और नागरिक मिलकर जिम्मेदारी निभाएँ, तो इस चुनौती को कम किया जा सकता है और एक संतुलित आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ा जा सकता है।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले संगठनात्मक तैयारियां और रणनीतिक बैठकें तेज

पश्चिम बंगाल में भाजपा 28 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में अपना बहुप्रतीक्षित चुनावी घोषणापत्र जारी करेगी। इसमें राज्य के विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण-शहरी संपर्कों पर जोर रहेगा। पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियों को भी तेज कर दिया है।

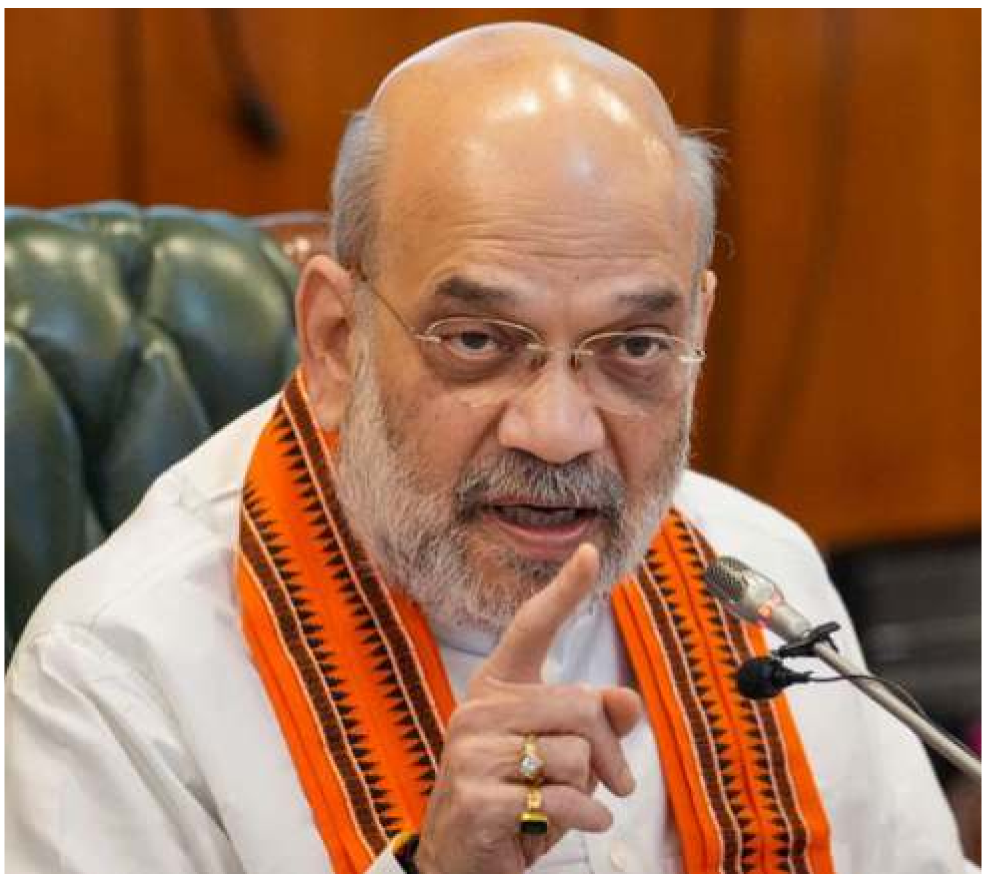

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने बहुप्रतीक्षित चुनावी घोषणापत्र को 28 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में जारी करेगी। यह कार्यक्रम राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें पार्टी अपनी चुनावी रणनीति, प्राथमिकताएं और राज्य में भविष्य की योजनाओं को जनता के समक्ष प्रस्तुत करेगी। सूत्रों के अनुसार, घोषणापत्र विमोचन समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता, राज्य पदाधिकारी, उम्मीदवार और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रहेगी। पार्टी के घोषणापत्र में शासन, विकास, रोजगार सृजन, अवसंरचना, कानून व्यवस्था और समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याणकारी उपायों जैसे प्रमुख विषयों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके अलावा युवा भागीदारी, महिला सशक्तिकरण और राज्य के ग्रामीण और शहरी संपर्कों को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा सकता है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में अपनी संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन नबीन 24 और 25 मार्च को राज्य का दौरा करेंगे। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान वे पार्टी नेतृत्व और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे।सूत्रों के अनुसार, नबीन का दौरा भाजपा के पांच प्रमुख संगठनात्मक क्षेत्रों—उत्तर बंगाल, राढ़ बंगाल, नबद्वीप, कोलकाता और हावड़ा-हुगली-मेदिनीपुर—में रणनीतिक चर्चाओं के लिए आयोजित किया जाएगा। इन बैठकों का उद्देश्य पार्टी की तैयारियों का व्यापक और गहन मूल्यांकन करना है। इस मूल्यांकन में चुनावी रणनीति, स्थानीय नेतृत्व की स्थिति, मतदाता संपर्क अभियान और संगठनात्मक मजबूती के पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।भाजपा का यह घोषणापत्र राज्य की राजनीतिक दिशा पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की संभावना रखता है। इससे पहले पार्टी ने विभिन्न स्तरों पर संगठन को सशक्त करने के लिए बैठकें और रणनीतिक चर्चा की है। घोषणापत्र के माध्यम से पार्टी यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि वह शासन, विकास, कानून-व्यवस्था और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में ठोस योजना लेकर राज्य में चुनावी मैदान में उतरी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति घोषणापत्र विमोचन समारोह को अतिरिक्त महत्व देगी और इससे पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह बढ़ाने में मदद मिलेगी। घोषणापत्र के साथ ही पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में अपने एजेंडे और नीतियों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करेगी, ताकि मतदाता समझ सकें कि भाजपा राज्य में क्या बदलाव और विकास लाने का संकल्प लेकर चुनावी मैदान में उतर रही है। इस प्रकार, 28 मार्च का दिन भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति और विजन के लिहाज से महत्वपूर्ण राजनीतिक अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

ओवैसी-कबीर गठजोड़ पश्चिम बंगाल में सक्रिय, मुस्लिम वोट बैंक पर तृणमूल को खतरा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नया मोर्चा सामने आया है, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के लिए चिंता का विषय बनता दिख रहा है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी और हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी का गठजोड़ राज्य में ममता बनर्जी के मजबूत मुस्लिम वोट बैंक को चुनौती देने जा रहा है। यह गठबंधन केवल चुनावी तालमेल नहीं, बल्कि सत्ता के समीकरण बदलने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।ओवैसी और कबीर का यह कदम ऐसे समय में आया है जब तृणमूल कांग्रेस पहले ही मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के कारण दबाव में है। संदिग्ध नामों को हटाए जाने की प्रक्रिया ने पार्टी के मुस्लिम आधार को झटका दिया है। वहीं, हुमायूं कबीर का तृणमूल से अलग होना भी राजनीतिक माहौल में महत्वपूर्ण बदलाव है। मुर्शिदाबाद और आसपास के क्षेत्रों में कबीर की मजबूत पकड़ ने उन्हें ओवैसी के साथ मिलकर नए राजनीतिक ध्रुव में बदलने का अवसर दिया है। ओवैसी-कबीर गठजोड़ ने स्पष्ट रूप से यह संकेत दिया है कि वे केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने नहीं बल्कि सीधी टक्कर देने के लिए 149 सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाले हैं। उन्होंने खुद को मुस्लिम समुदाय की आवाज़ के रूप में पेश किया है और तृणमूल पर उपेक्षा के आरोप लगाए हैं। यदि यह रणनीति जमीन पर असर दिखाती है, तो ममता बनर्जी के लिए यह सबसे बड़ा झटका साबित हो सकता है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस गठजोड़ पर तीखा हमला बोला है और ओवैसी को भाजपा का सहयोगी करार दिया है। हालांकि, सीट बंटवारे में असहमति और वाम दल की स्थिति के कारण विपक्षी एकजुटता अधूरी है। इस खाली जगह को ओवैसी-कबीर मोर्चा भरने की कोशिश कर रहा है, खासकर उन मतदाताओं के बीच जो विकल्प की तलाश में हैं। हालांकि, भाषा और क्षेत्रीय पहचान भी इस गठजोड़ के लिए चुनौती है। पश्चिम बंगाल के अधिकांश मुस्लिम मतदाता बांग्ला भाषी हैं, जबकि ओवैसी का प्रभाव उर्दू भाषी क्षेत्र में अधिक रहा है। लेकिन स्थानीय नेताओं के जरिए यह चुनौती भी पार की जा सकती है। स्पष्ट है कि पश्चिम बंगाल का आगामी विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की लड़ाई नहीं बल्कि राजनीतिक पहचान की जंग बन गया है। ओवैसी-कबीर गठजोड़ ने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की नींद उड़ा दी है, और मुस्लिम वोटों में दरार इस चुनाव के परिणाम को पूरी तरह बदल सकती है।

असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल कर विपक्षी एकजुटता और चुनावी रणनीति का संदेश दिया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सोमवार को जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। यह उनके लिए राज्य स्तरीय चुनावी राजनीति में पहला बड़ा कदम माना जा रहा है। नामांकन के दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान में असम में नफरत और विभाजन पर आधारित राजनीति हो रही है, जिससे आम लोग तंग आ चुके हैं। उन्होंने इस अवसर पर विपक्षी पार्टियों की एकजुटता का संदेश दिया। गौरव गोगोई ने दिन की शुरुआत राज्य के विभिन्न धार्मिक स्थलों – गुरुद्वारा, मंदिर, नामघर, मस्जिद और चर्च – का दौरा करके की। इसके बाद उन्होंने जोरहाट स्टेडियम से रोड शो शुरू किया, जिसमें भारी भीड़ ने भाग लिया। रैली का समापन जिला आयुक्त कार्यालय पर हुआ, जहां उन्होंने औपचारिक रूप से नामांकन पत्र जमा किया। कांग्रेस इस चुनाव में छह दलों के विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। गठबंधन में रायजोर दल, असम जातीयतावादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस शामिल हैं। इन दलों के समर्थक भी रोड शो और जुलूस में शामिल हुए, जिससे विपक्ष की एकजुटता का स्पष्ट संदेश मिला। गौरव गोगोई ने पत्रकारों से कहा कि आगामी चुनाव राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों को सुधारने और साफ करने का अवसर है। उन्होंने हाल के वर्षों में राजनीतिक मानकों में गिरावट का आरोप लगाते हुए नागरिकों से सार्वजनिक जीवन की गुणवत्ता बहाल करने में सामूहिक जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी वादा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो महिलाओं को राजनीतिक कार्यक्रमों में भाग लेने की बाध्यता के बिना कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर सरकारी कार्यक्रमों का राजनीतिक लाभ के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि इस तरह की प्रथाएं लोकतांत्रिक गरिमा और निष्पक्षता को कमजोर करती हैं। गौरव गोगोई ने अपने पिता और असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई को श्रद्धांजलि देने के लिए अपने आवास का भी दौरा किया। उनका यह कदम विपक्ष की रणनीति को मजबूत करने और जनता के बीच संदेश पहुंचाने के रूप में देखा जा रहा है। इस नामांकन और रोड शो ने असम की आगामी विधानसभा चुनावी राजनीति में कांग्रेस की सक्रिय भागीदारी और विपक्षी एकजुटता का परिचय दिया।

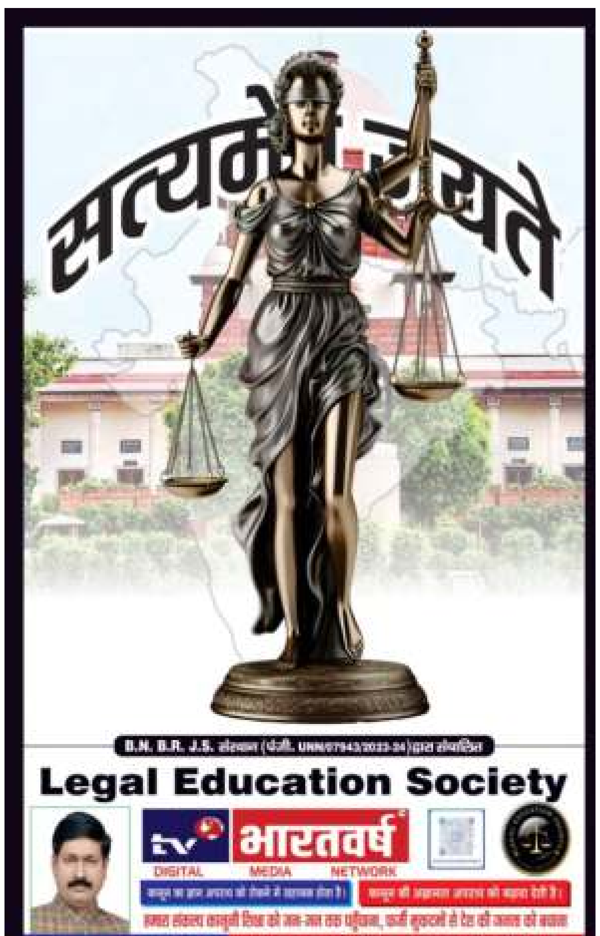

सोने की कीमतों में भारी गिरावट
इस साल की बढ़त लगभग खत्म

सोने की कीमतों में इस हफ्ते गंभीर गिरावट देखने को मिली है, जिससे इस साल की अब तक की बढ़त लगभग खत्म हो गई है। बुलियन की कीमतें 3.8 प्रतिशत तक गिरकर ₹3,68,000 प्रति 10 ग्राम के आसपास पहुँच गई हैं, जो पिछले साल के बंद भाव से लगभग समान है।विश्लेषकों के अनुसार, इस गिरावट का मुख्य कारण मध्य पूर्व में जारी तनाव और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है। सामान्यतः युद्ध जैसी वैश्विक घटनाओं में सोने की कीमतें बढ़ती हैं क्योंकि यह सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन इस बार स्थिति उलट रही है। निवेशक अपने पोर्टफोलियो में अन्य परिसंपत्तियों के नुकसान की भरपाई के लिए मजबूरी में सोने की बिक्री कर रहे हैं। पिछले आठ ट्रेडिंग सत्रों में लगातार गिरावट ने बुलियन निवेशकों को चिंतित कर दिया है। इस गिरावट ने सोने को 1983 के बाद से अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज करने पर मजबूर किया।पिछले साल के अंत में सोने का भाव ₹3,67,900 प्रति 10 ग्राम था, जो अब लगभग ₹3,68,000 पर आ गया है। इसके पीछे अमेरिकी फेडरल रिज़र्व और अन्य केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीतियों का भी असर है। युद्ध की वजह से तेल की कीमतों में वृद्धि हुई है, जिससे वैश्विक महंगाई के जोखिम बढ़ गए हैं। इस कारण से फेडरल रिज़र्व और अन्य केंद्रीय बैंक निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना को कम कर चुके हैं। यह सोने जैसे बिना किसी रिटर्न वाले निवेश के लिए बड़ी बाधा साबित हो रही है।विशेषज्ञ बताते हैं कि सोने की कीमतों में यह उतार-चढ़ाव व्यापक बाजार रुझानों का हिस्सा है। कच्चे तेल की शुरुआती मामूली बढ़त के बाद कीमतें गिर गईं, और शेयर बाजार में भी अस्थिरता देखने को मिली। युद्ध की शुरुआत के बाद तीन हफ्तों में सोने की कीमत में आई गिरावट का मुख्य कारण 'मजबूरी में बिकवाली' (forced selling) रही।आर्थिक दृष्टिकोण से, यह गिरावट वैश्विक बाजारों की अस्थिरता को दर्शाती है। बढ़ती महंगाई, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और युद्ध के चलते निवेशक जोखिम भरे निवेशों से बचने की कोशिश कर रहे हैं। सोना, जो सामान्यतः सुरक्षित निवेश माना जाता है, इस बार भी पूरी तरह प्रतिकूल प्रभावों से बच नहीं पाया। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोने की मांग बरकरार रहेगी, क्योंकि निवेशक मुद्रास्फीति और वैश्विक संकट के समय इसे सुरक्षित आश्रय मानते हैं। हालांकि, निकट भविष्य में वैश्विक बाजारों में स्थिरता आने तक सोने की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। इसलिए, निवेशक और आर्थिक विश्लेषक इस समय सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। बुलियन बाजार में तेजी और मंदी दोनों की संभावना बनी हुई है, और मध्य पूर्व के हालात के चलते निवेशक लगातार नजर बनाए हुए हैं।

कोनेरू हंपी साइप्रस टूर्नामेंट से सुरक्षा कारणों से बाहर

ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच जारी संघर्ष के बीच भारतीय शतरंज की ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी इस महीने साइप्रस में होने वाले प्रतिष्ठित फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से नाम वापस ले रही हैं। हंपी ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी देते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण मेजबान देश की सुरक्षा स्थिति को लेकर उनकी चिंताएं गंभीर हैं, और यही वजह है कि उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का "मुश्किल निर्णय" लिया।हंपी की जगह अब यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को शामिल किया गया है। अन्ना मुजिचुक महिला विश्व रैपिड चैम्पियन (2016) और दो बार महिला विश्व ब्लिट्ज चैम्पियन (2014 और 2016) रह चुकी हैं। फिडे ने अपने बयान में कहा कि टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, हंपी के हटने पर महिला इवेंट्स सीरीज 2024-25 में अगला सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त खिलाड़ी को मौका दिया गया है।यह टूर्नामेंट शनिवार से पाफोस, साइप्रस में शुरू हो रहा है और इसका परिणाम महिला वर्ग में विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का निर्धारण करेगा। ओपन वर्ग में भारत के डी गुकेश और महिला वर्ग में जू वेंजुन वर्तमान विश्व चैम्पियन हैं। हंपी ने टूर्नामेंट आयोजकों से व्यक्तिगत सुरक्षा की गारंटी मिलने के बावजूद सुरक्षा चिंताओं के चलते यह कदम उठाया। फिलहाल, हंपी पर टूर्नामेंट से हटने के कारण 10,000 यूरो का जुर्माना लगाया जा सकता है, हालांकि फिडे ने अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं किया है।भारत की उम्मीदों को हंपी के नाम वापस लेने से झटका लगा है, लेकिन ओपन वर्ग में आर प्रज्ञानानंदा, महिला वर्ग में आर वैशाली और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। हंपी की अनुपस्थिति में भारत की चुनौती बढ़ जाएगी, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों की संभावना अब भी बरकरार है।

IPL 2026: BCCI ने फैन पार्क की घोषणा
टिकट के बिना भी एंटरटेनमेंट सुनिश्चित

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 पर सुरक्षा संकट

पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) 2026 की शुरुआत से पहले ही टूर्नामेंट पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने पहले ही यह फैसला किया था कि इस साल PSL मैच बिना दर्शकों के आयोजित किए जाएंगे। वहीं अब विदेशी खिलाड़ियों को धमकी मिलने की खबर ने सुरक्षा चिंता और बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के सशस्त्र संगठन जमात-अल-अहरार ने इंटरनेशनल क्रिकेटर्स को चेतावनी दी है कि वे पाकिस्तान आकर PSL में हिस्सा न लें। इस चेतावनी में डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और डेरिल मिचेल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। संगठन का कहना है कि मौजूदा सुरक्षा हालात अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए सुरक्षित नहीं हैं और अगर खिलाड़ी पाकिस्तान आते हैं तो उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संगठन की नहीं होगी।जमात-अल-अहरार ने साफ शब्दों में कहा है कि यह चेतावनी नजरअंदाज करने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इसके अलावा, उन्होंने संकेत दिया कि मैचों को रद्द करने की कोशिश की जा सकती है, जिससे टूर्नामेंट की समग्र स्थिति प्रभावित हो सकती है।इससे पहले, PCB अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा था कि PSL 2026 को सीमित शहरों में आयोजित किया जाएगा और यह सभी मैच बंद दरवाजों के पीछे खेले जाएंगे। उनका उद्देश्य खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और टूर्नामेंट को सुरक्षित तरीके से संपन्न कराना है। यदि विदेशी खिलाड़ी सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट से बाहर रहते हैं, तो PSL की प्रतियोगिता और दर्शकों में रुचि प्रभावित हो सकती है। ऐसे में PCB को खिलाड़ियों को विश्वास दिलाने के लिए सुरक्षा उपायों को कड़ा करना होगा और यह देखना होगा कि क्या अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खतरे को नजरअंदाज करके पाकिस्तान में खेलेंगे या नहीं।पाकिस्तान में यह सुरक्षा संकट PSL 2026 की सफलता के लिए बड़ा चुनौतीपूर्ण संकेत बन गया है, और बोर्ड को जल्द ही इस मामले का समाधान निकालना होगा ताकि टूर्नामेंट को प्रभावित होने से बचाया जा सके।

हॉकी में योगदान और असाधारण उपलब्धियों के लिए
विशेष पुरस्कार वितरित किए जाएंगे

भारतीय हॉकी के सितारों के लिए यह साल सम्मान और उत्साह से भरा है। इस साल हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए मिडफील्डर हार्दिक सिंह, फॉरवर्ड सुखजीत सिंह और अभिषेक तथा डिफेंडर संजय चुने गए हैं। महिला वर्ग में सलीमा टेटे, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी और सविता पूनिया को नामांकन मिला है। शुक्रवार को आयोजित होने वाले हॉकी इंडिया पुरस्कार समारोह में उदीयमान खिलाड़ी (अंडर 21) पुरस्कार के तहत जुगराज सिंह और असुंथा लाकड़ा को सम्मानित किया जाएगा। कुल मिलाकर आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों का अंतिम नामांकन हुआ है। इसके अलावा हॉकी में अमूल्य योगदान के लिए जमन लाल शर्मा पुरस्कार और असाधारण उपलब्धि के लिए अध्यक्ष का पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। अधिकारियों की श्रेणी में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर/अंपायर मैनेजर, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी और सर्वश्रेष्ठ सदस्य ईकाई का पुरस्कार दिया जाएगा। इस अवसर पर एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम और जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली जूनियर पुरुष टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, "भारतीय हॉकी के लिए यह अहम साल है। ऐसे में असाधारण प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और पिछले एक साल में योगदान देने वालों को सम्मानित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।" नामांकन में विभिन्न श्रेणियों के प्रमुख उम्मीदवार इस प्रकार हैं: सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर – प्रिंसदीप सिंह, कृशन बहादुर पाठक, बिछू देवी खारीबम, सूरज करकेरा; सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर – संजय, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह; सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर – हार्दिक सिंह, सुमित, राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा; सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड – सुखजीत सिंह, अभिषेक, नवनीत कौर, शिलानंद लाकड़ा; उदीयमान महिला अंडर 21 खिलाड़ी – साक्षी राणा, ज्योति सिंह, सुनेलिटा टोप्पो, कनिका सिवाच; उदीयमान पुरुष अंडर 21 – प्रिंसदीप सिंह, मनमीत सिंह, अनमोल इक्का, अर्शदीप सिंह।साल का सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी पुरस्कार नवनीत कौर, सलीमा टेटे, लालरेम्सियामी और सविता के बीच तय होगा, जबकि सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, संजय और अभिषेक की प्रतिस्पर्धा है।

आईपीएल 2026
आकाशदीप की चोट के बाद केकेआर में सौरव दुबे की एंट्री

आईपीएल 2026 के आगमन से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाजी विभाग में बड़ा बदलाव हुआ है। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज आकाशदीप चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं, जिससे केकेआर की चिंताएं बढ़ गई हैं। तीन बार की आईपीएल चैंपियन टीम इस बार भी अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खिताब की दौड़ में शामिल रहेगी, लेकिन चोटिल खिलाड़ियों का लगातार टीम से बाहर होना उनकी तैयारी को प्रभावित कर सकता है।आकाशदीप के बाहर होने के बाद टीम ने विदर्भ के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरव दुबे को अपनी टीम में शामिल किया है। हालांकि, सौरव दुबे का अनुभव आकाशदीप जितना नहीं है और उनके टी20 करियर में खेलने के अनुभव की कमी टीम के लिए चिंता का विषय बन सकती है। दुबे 28 वर्षीय खिलाड़ी हैं और अब तक केवल 3 टी20 मैच खेल चुके हैं। इन तीन मैचों में उन्होंने कुल 60 गेंदें फेंकी हैं और 121 रन लुटाए हैं, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।सौरव दुबे को पहले साल 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 लाख रुपये में खरीदा था, लेकिन उन्हें उस सीज़न में कोई भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला। इसके बावजूद, उनकी लिस्ट ए क्रिकेट में उपलब्धियां थोड़ी प्रभावशाली हैं। उन्होंने अब तक 8 लिस्ट ए मैच खेले हैं और 16 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 26 रन देकर 4 विकेट लेना रहा है। केकेआर की कप्तान अजिंक्य रहाणे और टीम प्रबंधन इस बदलाव को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि टी20 क्रिकेट में अनुभव और दबाव को संभालने की क्षमता महत्वपूर्ण होती है। सौरव दुबे की शुरुआत टी20 क्रिकेट में सीमित रही है, लेकिन टीम के लिए यह अवसर उनके करियर को नया आयाम दे सकता है। टीम के लिए एक और चुनौती यह है कि आईपीएल में तेज गेंदबाजों का लगातार चोटिल होना खेल की रणनीति को प्रभावित करता है। आकाशदीप की अनुपस्थिति में सौरव दुबे को महत्वपूर्ण मैचों में जिम्मेदारी निभानी होगी। केकेआर के प्रशंसकों की

निगाहें अब इस नए तेज गेंदबाज पर टिक गई हैं, और यह देखना दिलचस्प होगा कि सौरव दुबे अपने प्रदर्शन से टीम को मजबूती दे पाते हैं या नहीं। इस बदलाव के साथ, केकेआर का फोकस अपनी तेज गेंदबाजी को संतुलित करना और खिताब की दौड़ में बने रहना होगा। टीम की तैयारी और रणनीति में यह बदलाव एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

बेरूत के खंडहरों में बैठ सेलो बजाते कलाकार का वीडियो वायरल

बारूद के ढेर पर 'उम्मीद' की धुन

युद्ध की विभीषिका झेल रहे लेबनान की राजधानी बेरूत से एक बेहद भावुक वीडियो सामने आया है. लेबनानी सेलो वादक महदी साहेली इजरायली हमलों में ढह चुकी बहुमंजिला इमारतों के मलबे पर बैठकर संगीत की धुनें बिखेर रहे हैं.

सेलो वादक महदी साहेली टूटे हुए भवनों के मलबे पर बैठे सेलो बजा रहे हैं. (Photo:Insta/@mahdi.sahely)

बेरूत इस वक्त जंग के जख्मों से भरा शहर बन चुका है. इजरायली हमलों के बाद सड़कों पर मलबा पसरा है और कई इमारतें ढह चुकी हैं.

हजारों परिवार अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं और पूरा शहर सदमे में है. इसी बीच एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो इस तबाही के बीच भी उम्मीद की झलक दिखाती है. वायरल वीडियो में लेबनानी सेलो वादक महदी साहेली टूटे हुए भवनों के मलबे पर बैठे नजर आते हैं. चारों तरफ बिखरा कंक्रीट, मुड़ी हुई लोहे की सरियां और जंग के निशान साफ दिखाई देते हैं. लेकिन इसी माहौल में उनका संगीत गूंजता है, जो दर्द और उम्मीद दोनों को एक साथ बयां करता है. यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है, जिसमें वह खंडहरों के बीच बैठकर सेलो बजाते दिखते हैं. महदी साहेली बेरूत में रहने वाले एक लेबनानी सेलो वादक हैं, जो अपने इंस्टा पेज पर ऐसी धुनों के वीडियो शेयर करते रहते हैं.

वीडियो के कैप्शन में लिखा है कि जंग और तबाही के बीच संगीत उम्मीद की धुन बनकर उभरता है और दर्द को सुरों में बदल देता है. ये वीडियो 15 मार्च का बताया जा रहा है, जो अब वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर लोगों की भावनाएं उमड़ पड़ी हैं. कई यूजर्स ने इसे दिल छू लेने वाला बताया. एक यूजर ने लिखा कि तबाही के बीच संगीत की खूबसूरती दिखती है, वहीं दूसरे ने कहा कि यह देखकर दिल टूट जाता है. एक अन्य यूजर ने इसे अपने जीवन का सबसे अहम संगीत बताया.

सिर पर ईंट रखकर डांस करती दिखी महिला, मिले 5 मिलियन व्यूज

सोशल मीडिया पर हर दिन कुछ न कुछ नया वायरल होता रहता है. इसी बीच एक वीडियो लोगों का ध्यान तेजी से खींच रहा है, जिसमें एक मजदूर महिला का अनोखा अंदाज़ देखने को मिल रहा है. इस वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि ईंट भट्टे पर काम करने वाली एक महिला अपने सिर पर कई ईंटों को बैलेंस करके खड़ी है. हैरानी की बात यह है कि इतना भारी बोझ उठाने के बावजूद वह फाल्गुनी के गाने पर मजेदार अंदाज़ में डांस कर रही है और मुस्कुराते हुए रिएक्शन दे रही है.

रेलवे स्टेशन पर होती है भारतीय जोड़े की मुलाकात

लंदन में 'शिफ्ट' के बीच फंसा प्यार

आज के समय में बढ़ती महंगाई और काम की भागदौड़ ने लोगों की जिंदगी को इस कदर व्यस्त बना दिया है कि परिवार के लिए समय निकालना मुश्किल होता जा रहा है. कई मामलों में तो ऐसा भी देखा जाता है कि बुजुर्ग माता-पिता अपने बच्चों का सालों तक इंतजार करते रहते हैं, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो पाती. इसी बीच एक ऐसा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां काम की व्यस्तता ने पति-पत्नी के रिश्ते को भी प्रभावित कर दिया है. लंदन में रहने वाले इस भारतीय दंपति की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. उनकी दिनचर्या इतनी अलग है

कि वे घर पर एक साथ बैठकर बात भी नहीं कर पाते. उनकी मुलाकात सिर्फ उस समय होती है जब एक ऑफिस जा रहा होता है और दूसरा वापस लौट रहा होता है और वह भी रेलवे स्टेशन पर कुछ मिनटों के लिए. विदेश में रहकर अच्छी नौकरी और बेहतर जिंदगी का सपना बहुत लोग देखते हैं.

उत्तर कोरिया के चुनाव पर मीम्स की बाढ़

किम का परफेक्ट स्कोर देख दुनिया हैरान

दुनिया के ज्यादातर देशों में चुनाव का मतलब होता है कड़ी टक्कर, अलग-अलग पार्टियों के बीच मुकाबला और अनिश्चित नतीजे. लेकिन कुछ जगहों पर चुनाव के नतीजे इतने 'एकतरफा' होते हैं कि लोग हैरान रह जाते हैं. कुछ ऐसा ही हाल हाल ही में उत्तर कोरिया के चुनावों में देखने को मिला, जहां नेता किम जोंग उन को लगभग 100% के करीब वोट मिले. आमतौर पर जहां कुछ प्रतिशत का अंतर भी बड़ा माना जाता है, वहीं इतने भारी बहुमत ने लोगों का ध्यान खींच लिया. बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई और देखते ही देखते मीम्स की बाढ़ आ गई. उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन एक बार फिर

करीब 99.93% से 99.97% लोगों ने किम जोंग के पक्ष में वोट दिया. (X/@ChhinaArmy)

चुनाव में भारी बहुमत से जीत गए हैं. हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में उनकी पार्टी ने लगभग सभी सीटों पर जीत हासिल की. लेकिन इस बार चुनाव के नतीजों से ज्यादा चर्चा सोशल मीडिया पर बन रहे मीम्स की हो रही है. 15 मार्च को हुए चुनाव में किम जोंग उन की पार्टी को लगभग 100% वोट मिले हैं. करीब 99.93% से 99.97% लोगों ने उनके पक्ष में वोट दिया. वोटिंग प्रतिशत भी लगभग 99.99% रहा. यानी लगभग हर वोटर ने वोट भी डाला और लगभग सभी ने एक ही पार्टी को चुना. दुनिया के ज्यादातर लोकतांत्रिक देशों में इतने ज्यादा वोट किसी एक पार्टी को मिलना बहुत असामान्य माना जाता है.

'शैतान' के बाद अजय देवगन का नया डरावना सफर, इंटरनेशनल लेवल पर होगी शूटिंग

ब◌ॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। एक्शन, कॉमेडी और रोमांटिक फिल्मों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित कर चुके अभिनेता अब एक बार फिर हॉरर जॉनर में कदम रखने जा रहे हैं। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर फिल्म इंडस्ट्री और दर्शकों के बीच खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हॉरर फिल्म के लिए अजय देवगन ने निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है, जो अपनी फिल्म 'सरदारजी' के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म का निर्माण कुमार मंगत करेंगे, जो पहले भी अजय देवगन के साथ कई सफल प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं। हालांकि, फिल्म के शीर्षक का अभी आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इसे लेकर दर्शकों के बीच जिज्ञासा बनी हुई है।बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर स्टोरी पर आधारित होगी, जिसका सिनेमाई स्तर काफी भव्य होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी दर्शकों को रोमांचित करने वाली और गहरे माहौल का निर्माण करने वाली होगी। यही वजह है कि इसे पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग और खास माना जा रहा है।फिल्म की शूटिंग का बड़ा हिस्सा लंदन में किए जाने की योजना है, जिससे इसके विजुअल्स और प्रोडक्शन वैल्यू को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेश किया जा सके। फिलहाल फिल्म प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है, जहां मेकर्स तकनीकी टीम, स्क्रीनप्ले और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। इसके साथ ही, फिल्म की कास्टिंग पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि कहानी के अनुरूप कलाकारों का चयन किया जा सके।इस प्रोजेक्ट को खास बनाने वाली एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि अजय देवगन हॉरर जॉनर में अपनी पिछली फिल्म शैतान के बाद वापसी कर रहे हैं। 'शैतान' में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी, जिसके बाद अब उनके इस नए प्रोजेक्ट को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। फैंस इस फिल्म की घोषणा के बाद से ही काफी उत्साहित हैं और इसके टाइटल के खुलासे का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।वर्क फ्रंट की बात करें तो अजय देवगन के पास आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स की लंबी सूची है। वे जल्द ही दृश्यम 3 में नजर आएंगे, जो 2 अक्टूबर 2026 को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा, वे लोकप्रिय कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'गोलमाल' की पांचवीं किस्त में भी निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ फिर से काम करेंगे, जिसके 2027 में रिलीज होने की संभावना है। इसी के साथ, अजय देवगन के पास 'धमाल 4' और 'रेंजर' जैसे प्रोजेक्ट्स भी हैं, जो फिलहाल निर्माणाधीन हैं। इन सभी फिल्मों के जरिए अभिनेता अलग-अलग शैलियों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए तैयार हैं।कुल मिलाकर, अजय देवगन का यह नया हॉरर प्रोजेक्ट न केवल उनके करियर में एक और दिलचस्प अध्याय जोड़ने जा रहा है, बल्कि दर्शकों को भी एक अलग और रोमांचक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है। अब देखना होगा कि फिल्म का आधिकारिक ऐलान कब होता है और यह बड़े पर्दे पर किस तरह का जादू बिखेरती है।

लखनऊ में SIR प्रक्रिया पूरी

8 लाख मतदाताओं के नाम कटे

लखनऊ में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (SIR) पूरी हो गई है। कुल 8 लाख मतदाता नाम हटाए गए और 3.5 लाख नए मतदाता जुड़े, जिससे सूची में 31.30 लाख पंजीकृत मतदाता बचे। शहरी क्षेत्रों में अनमैप्ड मतदाता अधिक हैं। BLOs ने घर-घर जाकर सत्यापन कर सूची में सुधार किया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया पूरी हो गई है। इस प्रक्रिया के दौरान कुल 8 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिससे अब लखनऊ में कुल 31.30 लाख पंजीकृत मतदाता रह गए हैं। SIR से पहले शहर में कुल 39.85 लाख मतदाता सूचीबद्ध थे। मतदाता सूची से नाम काटने के पीछे मृत, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान की गई। इस प्रक्रिया में पहले ही 12 लाख से अधिक नाम हटाए जा चुके थे। इसके बाद फॉर्म 6 के माध्यम से लगभग साढ़े तीन लाख नए मतदाता जोड़े गए। अब कुल आठ लाख मतदाता हटाए जाने के बाद शहर की मतदाता संरचना में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।शहर प्रशासन ने बताया कि लखनऊ में SIR प्रक्रिया लगभग 100 प्रतिशत पूरी हो चुकी है। शेष कार्य भी तेजी से संपन्न किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में बूथ लेवल अधिकारी (BLO) घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे थे, जिससे फर्जी और डुप्लीकेट नामों को हटाने में मदद मिली। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रक्रिया आगामी चुनावों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही। SIR के दौरान बड़ी संख्या में नए मतदाताओं ने भी अपना नाम जोड़वाया। इनमें पहली बार वोट डालने वाले युवा, नए शिफ्ट हुए नागरिक और पहले सूची से छूटे हुए मतदाता शामिल हैं। इससे लखनऊ की मतदाता संरचना में सुधार और बदलाव देखने को मिला है। लखनऊ की 9 विधानसभा सीटों में अनमैप्ड मतदाताओं के आंकड़े भी सामने आए हैं, जो कई क्षेत्रों में चिंता का कारण बने हैं। राजधानी के शहरी इलाकों में यह प्रतिशत अपेक्षाकृत अधिक है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कम है। सबसे अधिक ट्रैक न होने वाले मतदाता लखनऊ पूर्व विधानसभा में पाए गए, जहां 18.25 प्रतिशत यानी 84,449 मतदाताओं का पंजीकरण नहीं हो पाया। इसके बाद लखनऊ पश्चिम विधानसभा में 16.58 प्रतिशत (77,969) और लखनऊ उत्तर विधानसभा में 15.98 प्रतिशत (79,731) मतदाता सूची से बाहर हैं। लखनऊ मध्य विधानसभा में 13.98 प्रतिशत (51,998) मतदाता पंजीकृत नहीं हो पाए। इन शहरी सीटों पर बड़ी संख्या में अपंजीकृत मतदाता चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रतिशत कम है। बक्शी का तालाब विधानसभा में 9.53 प्रतिशत (47,164), सरोजिनी नगर विधानसभा में 9.35 प्रतिशत (56,311) और लखनऊ कैंट विधानसभा में 8.15 प्रतिशत (29,790) मतदाता अपंजीकृत पाए गए हैं। मलिहाबाद विधानसभा (आरक्षित) में 7.81 प्रतिशत (28,773) और मोहनलालगंज विधानसभा (आरक्षित) में सबसे कम 6.65 प्रतिशत (23,859) मतदाता सूची से बाहर हैं।अधिकारियों ने बताया कि SIR के माध्यम से मतदाता सूची में सुधार करने का उद्देश्य आगामी चुनावों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही यह प्रक्रिया नए मतदाताओं को सूची में जोड़ने और फर्जी मतदाताओं को हटाने में अहम भूमिका निभाती है।

लखनऊ में महिला से मोबाइल लूटने वाला आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के PGI इलाके में रविवार देर रात एक महिला से मोबाइल लूटने वाले युवक की पुलिस से मुठभेड़ हुई। पुलिस ने आरोपी को दौड़ाकर जवाबी फायरिंग में घायल कर दिया। युवक के बाएं पैर में गोली लगी है और उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना में गिरफ्तार आरोपी की पहचान अर्जुन रावत के रूप में हुई है। वह आशियाना थाना क्षेत्र के किला मोहम्मदी का रहने वाला है। पूछताछ में उसने महिलाओं से मोबाइल लूटने की अपनी वारदातों की बात कबूल की। आरोपी के कब्जे से लूटा हुआ मोबाइल, 12 सौ रुपए, काली पल्सर बाइक, तमंचा, खोखा और कारतूस बरामद हुआ। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि रविवार रात करीब 11 बजे पुलिस टीम सैनिक विहार कॉलोनी के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान काली पल्सर सवार संदिग्ध को रोकने का इशारा किया गया। आरोपी बाइक घुमा कर भागने लगा और गोली चलाने की कोशिश की। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी पैर में गोली लगने के बाद गिर गया। प्रीति सिंह, पत्नी देशराज सिंह और भदरुख थाना आशियाना निवासी, ने बताया कि 20 मार्च की शाम वह करुणा कैंसर अस्पताल, बंगला बाजार ड्यूटी के लिए पैदल जा रही थीं। सेनानी विहार स्थित किया कार शोरूम के पास पहुंचने पर वह अपनी सहकर्मी सुमन से फोन पर बात कर रही थीं। तभी पीछे से पल्सर बाइक सवार बदमाशों ने उनका मोबाइल छीन लिया और तेलीबाग चौराहे की ओर फरार हो गए। इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस की दो टीमें लगी थीं। जांच में 40 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। इसी दौरान मुठभेड़ में अर्जुन रावत को गिरफ्तार किया गया।

गोमती नदी में मछलियों की मौत, इलाके में गहरी चिंता

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

इटौंजा इलाके के हीरापुरम में रविवार से गोमती नदी में हजारों मछलियों के मरने की घटना सामने आई है। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद इटौंजा, बीकेटी और माल थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। मछलियों के मरने की वजह से नदी का पानी दूषित हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों और जानवरों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासी दीपक कुमार तिरंगा महाराज ने इटौंजा थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने बताया कि रविवार से मछलियों की मौत शुरू हुई और सोमवार दोपहर तक हजारों मछलियां मृत पाई गईं। मरी हुई मछलियों से उठ रही तेज़ बदबू के कारण इलाके में रहने वाले लोग परेशान हैं। दीपक कुमार ने यह भी बताया कि नदी का पानी पीने वाले जानवर और स्थानीय लोग संक्रमण के खतरे में हैं। उन्होंने प्रशासन से मरी हुई मछलियों को निकालकर दफन करने और घटना की गंभीर जांच कराने की मांग की।स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर मरी हुई मछलियों के वीडियो भी साझा किए हैं, जो वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो ने क्षेत्र में चिंता को और बढ़ा दिया है। इस समय नवरात्र पर्व चल रहा है, इसलिए स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिहाज से घटना की गंभीरता और बढ़ जाती है। पुलिस ने बताया कि उनके स्तर पर जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही जिला प्रशासन को भी घटना की जानकारी दी गई है। पुलिस और प्रशासन मिलकर मछलियों के मरने के कारणों का पता लगाने और नदी के पानी को सुरक्षित बनाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं।हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मछलियों की मौत प्रदूषण, रासायनिक तत्व, ऑक्सीजन की कमी या अन्य प्राकृतिक कारणों से हुई है। जांच टीम पानी के नमूने लेकर लैब में परीक्षण कर रही है ताकि सटीक कारण का पता लगाया जा सके।स्थानीय लोग प्रशासन से जल्द कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। उनका कहना है कि नदी का पानी पीने और खेती में इस्तेमाल होने वाला है, इसलिए यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो न केवल मछलियों बल्कि अन्य जीव-जंतुओं और मानव जीवन के लिए भी खतरा बढ़ सकता है।इस घटना ने इटौंजा क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और नदी की सफाई के महत्व को फिर से उजागर किया है। प्रशासन और पुलिस इस दिशा में त्वरित कदम उठा रहे हैं और स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे नदी के पानी का उपयोग करते समय सावधानी बरतें।

लखनऊ के निशांतगंज में बहू और प्रेमी ने सास निर्मला देवी की हत्या की

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के निशांतगंज इलाके में 36 वर्षीय बहू और उसके 21 वर्षीय प्रेमी ने 69 वर्षीय निर्मला देवी की हत्या कर दी। पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने तीन दिन पहले हत्या की साजिश रची थी और वारदात को लूट दिखाने की योजना बनाई। हत्या के बाद दोनों ने लाश से जेवर उतारकर छिपा दिए। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर जेवर बरामद कर लिए हैं।घटना 21 मार्च शनिवार को हुई। निर्मला देवी के हाथ-पैर बंधे और वह बेहोश पड़ी थीं। उनके पोते ने शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग इकट्ठा हुए। घटना की सूचना पर फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम मौके पर पहुंची। डॉग टीम ने प्रेमी राजन शर्मा की ओर रुख किया, जिससे पुलिस को संदेह हुआ। CCTV फुटेज जांच में पता चला कि दोपहर 2 से शाम 4 बजे के बीच कैमरे बंद थे, जिससे घर के किसी व्यक्ति पर शक हुआ। पुलिस ने बताया कि बहू रंजना और राजन के बीच तीन साल पहले प्रेम संबंध शुरू हुआ था। रंजना का पति त्रिदेश वर्मा अपने काम के दौरान घर से बाहर था। रंजना और राजन ने निर्मला देवी के हाथ-पैर रस्सी से बांधकर गला दबाकर हत्या की। पुलिस ने बताया कि दोनों ने वारदात के दौरान CCTV बंद किया ताकि कोई शक न करे और फिर घर से बाहर भाग गए। बाद में घबराहट में दोनों घर लौट आए। निर्मला देवी का भैंसाकुंड पर अंतिम संस्कार किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला परिवारिक विवाद और प्रेम संबंध के चलते हुई साजिश का परिणाम है। आरोपी बहू और उसके प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस जांच कर रही है कि कोई अन्य व्यक्ति घटना में शामिल तो नहीं था।

लखनऊ में 6 साल की बच्ची चाइनीज मांझे से घायल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में चाइनीज मांझे की चपेट में आने से 6 साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। दोपहर करीब 3 बजे बच्ची अपने पिता खलील अहमद की बाइक पर आगे बैठकर जा रही थी। तभी वजीरगंज के जगत नारायण रोड, गोलागंज चौराहे पर पतंग का चाइनीज मांझा उसकी गर्दन और हाथ की उंगली में फंस गया।घटना के तुरंत बाद खलील ने बच्ची की गर्दन में रुमाल बांधकर खून रोकने की कोशिश की और उसे अस्पताल पहुँचाया। डॉक्टरों ने बच्ची की गर्दन में 10 टांके लगाए और उंगली पर पट्टी बांधकर उसका इलाज किया। इलाज के बाद बच्ची को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पीड़ित पिता खलील ने कहा कि चाइनीज मांझे से पतंग उड़ाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा के लिहाज से गंभीर मामला है और बच्चों के लिए खतरा पैदा करता है। वजीरगंज थाना पुलिस ने रविवार दोपहर 3:15 बजे रीड हाल सेनेट्रियल कॉलेज के पास से चाइनीज मांझे से पतंग उड़ा रहे 6 युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साजिद (क्रिजेन कॉलेज रीड हाल), फहीन (नरही), मो. आमिर (गोलागंज), रिजवान (जूं कॉलोनी), नासीर (वाल्दा कॉलोनी) और अल्तमस (इस्लामिया कॉलेज के पीछे लालबाग) के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के पास से पतंग और प्रतिबंधित चाइनीज मांझा भी बरामद किया। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। खलील ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भविष्य में बच्चों की सुरक्षा के लिए चाइनीज मांझे पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना जरूरी है। घटना ने एक बार फिर शहर में चाइनीज मांझे के खतरों को उजागर किया है।

शपथ ग्रहण समारोह में पार्षदों ने शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया

लखनऊ के नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को शासन की ओर से नामित 10 पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुषमा खर्कवाल ने पार्षदों को शपथ दिलाई। समारोह में नगर आयुक्त गौरव कुमार भी उपस्थित रहे। पार्षदों को शपथ ग्रहण कराने के बाद मेयर और नगर आयुक्त ने उन्हें माला पहनाकर और लड्डू खिलाकर बधाई दी। समारोह के दौरान कुछ पार्षदों ने "भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद" के नारे भी लगाए। शपथ लेने के बाद नामित पार्षदों ने अपने-अपने प्राथमिकताओं और कार्ययोजनाओं का संक्षिप्त विवरण साझा किया। उन्होंने शहर के समग्र विकास के लिए सहयोग और सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। नामित पार्षद पंकज बोस ने कहा कि उपलब्ध संसाधनों के दायरे में रहकर उनकी कोशिश रहेगी कि लखनऊ नगर निगम क्षेत्र में सतत सुधार और विकास कार्य किए जाएं। उन्होंने बताया कि उनकी योजना शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और सेवाओं में सुधार पर केंद्रित रहेगी। संतोष सिंह बलखंडी ने कहा कि उनके परिवार के कई सदस्यों ने लगातार चार बार पार्षद का कार्य किया है और अब वे स्वयं पांचवीं बार निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाएगा, विशेषकर उन इलाकों में जहां विकास की गति धीमी रही है और गांव पिछड़े हुए हैं। रूप चंद अग्रवाल ने कहा कि सभी पार्षद मिलकर विकास कार्यों को गति देंगे और लखनऊ को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से शहर की सफाई व्यवस्था पर जोर दिया। किशन पाल ने कहा कि उनका प्रयास क्षेत्र में अधिक से अधिक विकास कार्य कराने और जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने पर रहेगा। दीपू जायसवाल ने कहा कि वे जनता के हित में कार्य करेंगे और पार्टी के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करेंगे। इस प्रकार, नामित 10 पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सभी पार्षदों ने मिलकर लखनऊ नगर निगम क्षेत्र के विकास और नागरिकों की सुविधाओं में सुधार के लिए प्रतिबद्धता जताई।

उन्नाव में विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन

मंत्री धर्मपाल सिंह ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

ख़बर उन्नाव से है जहां जनपद उन्नाव के प्रभारी मंत्री एवं पशुधन एवं दुग्ध विकास राजनैतिक पेंशन विभाग के मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को निराला प्रेक्षागृह में आयोजित विकास प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान जिलाधिकारी गौरांग राठी सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन कर सरकारी योजनाओं की जानकारी ली और दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल भी वितरित की। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेक्षागृह सभागार में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सूचना विभाग द्वारा तैयार उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्षों के विकास कार्यों पर आधारित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। साथ ही 'संकल्प से सिद्धि' विषयक विकास पुस्तिका का विमोचन किया गया। अपने संबोधन में मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि वर्ष 2016 के मुकाबले प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हुई है और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन चुका है। अयोध्या में भव्य राम

मंदिर निर्माण, डिफेंस कॉरिडोर, ब्रह्मोस मिसाइल उत्पादन और रैपिड रेल जैसी परियोजनाएं प्रदेश की प्रगति का उदाहरण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब प्रदेश में हर वर्ग के लोगों को समान अवसर मिल रहे हैं और गांवों में बिजली, सड़क और शिक्षा की बेहतर सुविधाओं से पलायन में कमी आई है बता दे कि कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और चेक वितरित किए गए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत युवाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता दी गई, जबकि एनआरएलएम के तहत स्वयं सहायता समूहों को 10 करोड़ रुपये से अधिक के डेमो चेक दिए गए। आयुष्मान योजना के अंतर्गत पात्र लोगों को गोल्डन कार्ड वितरित किए गए और मछुआ कल्याण कोष योजना के तहत लाभार्थियों को मोपेड की चाबी सौंपी गई। इसके अलावा कृषि विभाग द्वारा किसानों को पीएम किसान योजना की 22वीं किस्त के प्रशस्ति पत्र और सोलर पंप आवंटन पत्र प्रदान किए गए। श्रम विभाग की योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता भी वितरित की गई। कार्यक्रम के अंत में मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन विश्वनाथ तिवारी ने किया। इसके बाद मंत्री ने विकास भवन सभागार में पत्रकारों के साथ प्रेस वार्ता कर सरकार की उपलब्धियों को साझा किया। इस अवसर पर सदर विधायक पंकज गुप्ता, विधायक पुरवा अनिल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

T V भारतवर्ष न्यूज़ नेटवर्क के लिए एडिटर मुनीष शुक्ला जी के साथ जिला ब्यूरो अभिषेक मिश्रा की एक रिपोर्ट।

संकरी देवी मंदिर में पुलिस का जागरूकता अभियान,

महिलाओं को हेल्पलाइन और योजनाओं की दी गई जानकारी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत सफीपुर थाना क्षेत्र स्थित संकरी देवी मंदिर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जागरुक करना रहा।कार्यक्रम के दौरान एंटी-रोमियो टीम एवं मिशन शक्ति टीम के सदस्यों ने उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं से संवाद स्थापित किया। इस दौरान उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया और उनके समाधान के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए। टीम ने महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और जागरुक बनने के लिए प्रेरित किया।पुलिस टीम ने महिलाओं को विभिन्न आपातकालीन और सहायता हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इनमें 1090 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1930 (साइबर हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) और 181 (महिला हेल्पलाइन) जैसे महत्वपूर्ण नंबर शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में इन नंबरों का प्रयोग कर तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है। इसके अलावा, कार्यक्रम में सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। इनमें कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमंगला योजना तथा प्रधानमंत्री फ्री सिलाई मशीन योजना जैसी योजनाएं शामिल रहीं। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में साइबर अपराधों के प्रति भी महिलाओं को जागरुक किया गया। पुलिस टीम ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने की अपील की।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं ने पुलिस टीम के इस प्रयास की सराहना की। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के जागरुकता कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाना है। यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

नवरात्रि के पंचम दिवस पर स्कंदमाता के दर्शन हेतु मंदिरों में भारी भीड़,

भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ उन्नाव

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में नवरात्रि के पांचवें दिन मां दुर्गा के पंचम स्वरूप देवी स्कंदमाता के दर्शन के लिए मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर सहित शहर के विभिन्न देवी मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा, जिससे पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया।भोर होते ही मंदिरों के बाहर लंबी कतारें लगनी शुरु हो गई थीं। श्रद्धालु पूरे दिन मां की पूजा-अर्चना में लीन रहे। मंदिरों में बज रहे भजन और देवी गीतों ने माहौल को और भी श्रद्धामय बना दिया। विशेष रूप से सोमवार के दिन मां स्कंदमाता के स्वरूप के अनुरूप मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर के पंडित विनोद पांडे ने बताया कि मां स्कंदमाता की विधि-विधान से पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि इस दिन उपवास रखकर और दुर्गा सप्तशती का पाठ करने का विशेष महत्व है। बड़ी संख्या में भक्तों ने व्रत रखकर और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से मां को प्रसन्न करने का प्रयास किया।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां दुर्गा के इस स्वरूप की आराधना से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। विशेष रूप से महिलाओं के लिए मां स्कंदमाता की पूजा अत्यंत फलदायी मानी जाती है। मान्यता है कि उनकी कृपा से सूनी गोद भरती है और परिवार में खुशहाली आती है। इन्हें ऐसी देवी के रूप में भी जाना जाता है जो पहाड़ों पर निवास करते हुए संसार में नवचेतना का संचार करती हैं।इस अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने मंदिरों में भजन-कीर्तन कर वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया।शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इनमें कंचन नगर स्थित कंचनामाई मंदिर, अंबिकापुरम का नवदुर्गा मंदिर, महेश मार्ग स्थित सिद्धिधात्री मंदिर, डाकतार कॉलोनी का सोमा गौरी मंदिर, गांधीनगर का काली मंदिर, नेहरु नगर दुर्गा मंदिर, पोनीरोड झंडे चौराहा स्थित झंडेश्वर मंदिर, बिन्दानगर दुर्गा मंदिर, बालूघाट का गायत्री शक्तिपीठ तथा गंगा विशुनघाट दुर्गा मंदिर प्रमुख रहे।राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर को विशेष रूप से अत्यंत प्राचीन और चमत्कारी माना जाता है। स्थानीय श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां मां सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं, जिसके चलते सुबह से लेकर शाम तक दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लगी रहीं।भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिरों के आसपास सुबह और शाम के समय पुलिस बल तैनात रहा, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। पूरे दिन पूजा-अर्चना और श्रद्धा के बीच यह आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

उन्नाव में ईद की छुट्टियों के बाद ओपीडी में मरीजों की भारी भीड़, व्यवस्था पर बढ़ा दबाव

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में ईद की छुट्टियों के दो दिन बाद सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी खुलते ही मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही अस्पताल परिसर में मरीजों और तीमारदारों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जिससे व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बना रहा।जानकारी के अनुसार, करीब 800 से अधिक मरीजों ने ओपीडी में पंजीकरण कराया। ईद अवकाश के कारण दो दिनों तक नियमित सेवाएं बंद रहने से मरीजों को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ा। ओपीडी शुरु होते ही जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग उपचार के लिए अस्पताल पहुंचे।सबसे अधिक भीड़ मेडिसिन, बाल रोग, हड्डी रोग और महिला रोग विभागों में देखी गई। सुबह पंजीकरण शुरु होते ही लंबी लाइनें लग गईं और कई मरीजों को अपने नंबर के इंतजार में घंटों बैठना पड़ा। भीड़ के चलते बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ा।अस्पताल प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की, हालांकि मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण कुछ अव्यवस्था भी देखने को मिली। डॉक्टरों ने लगातार मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराईं। वहीं, फार्मेसी काउंटर पर भी दवा लेने वालों की लंबी कतारें लगी रहीं।कई मरीजों ने बताया कि छुट्टियों के कारण समय पर इलाज न मिलने से उनकी समस्या बढ़ गई थी, इसलिए ओपीडी खुलते ही वे अस्पताल पहुंचे।अस्पताल प्रशासन के अनुसार, मौसम में बदलाव के चलते वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम, पेट दर्द और त्वचा संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या अधिक रही। बच्चों में भी मौसमी बीमारियों के लक्षण देखने को मिले।

उन्नाव में युवक ने किया सुसाइड

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर कोतवाली क्षेत्र के हजीरा मोहल्ले में एक 22 वर्षीय युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हजीरा निवासी अभय (22) पुत्र शंकर ने अपने घर में पंखे के सहारे साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। परिजनों को घटना का पता तब चला जब काफी देर तक उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला। दरवाजा खोलने पर अभय फंदे से लटका मिला, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। परिजनों ने बताया कि मृतक अभय कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। घटना के समय वह कथित तौर पर शराब के नशे में भी था। अभय दिल्ली में मजदूरी करता था और दो दिन पहले ही अपने घर लौटा था। घर लौटने के बाद से वह शांत और परेशान दिख रहा था। मृतक अभय तीन भाइयों और एक बहन में तीसरे नंबर का था। उसकी शादी राधा नामक युवती से हुई थी और उसकी डेढ़ साल की एक मासूम बेटी भी है। युवक की अचानक मौत से परिवार में शोक का माहौल है। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

कटहर गांव में अफवाह बनी हिंसा की वजह, मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को भीड़ ने पीटा

उन्नाव के पुरवा क्षेत्र के कटहर गांव में बच्चा चोरी की अफवाह के चलते एक लगभग 40 वर्षीय महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने महिला को बच्चा चोर समझकर बुरी तरह पीट दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार, कटहर गांव में एक अज्ञात महिला के आने पर कुछ ग्रामीणों को संदेह हुआ। देखते ही देखते बच्चा चोरी की अफवाह फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। भीड़ ने बिना सत्यता की पुष्टि किए महिला को घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरु कर दी। वायरल वीडियो में भीड़ को महिला पर हमला करते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला को भीड़ से छुड़ाया और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पुरवा पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि महिला पिछले कई दिनों से क्षेत्र में घूम रही थी और उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं लग रहा था। इस संबंध में कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रही है। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरु कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गौशाला में बृहद टीन शेड निर्माण हेतु भूमि पूजन संपन्न

मा0 जनप्रतिनिधियों ने किया गौ-पूजन

विकास खंड सासनी के ग्राम पंचायत समामई रुहल स्थित श्री दाऊजी गौशाला में टीन शेड निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मा0 विधायक अंजुला सिंह माहौर, जिलाधिकारी अतुल वत्स व अन्य अधिकारियों ने गौ-पूजन किया। 183 गौवंश संरक्षित हैं। हैंडपंप पाइपों से निर्माण लागत बचत हुई। निरीक्षण के लिए QR कोड व्यवस्था लागू है।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

विकास खंड सासनी के ग्राम पंचायत समामई रुहल स्थित श्री दाऊजी गौशाला में बृहद टीन शेड निर्माण कार्य हेतु मा0 विधायक सदर श्रीमती अंजुला सिंह माहौर, मा0 जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी प्रेम सिंह कुशवाहा, जिलाधिकारी अतुल वत्स तथा पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति में विधि-विधान पूर्वक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। भूमि पूजन उपरांत मा0 जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा तिलक लगाकर, पुष्पमाला अर्पित कर गौ-पूजन के साथ गुड़ खिलाया। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला में निर्माणाधीन टीन शेड एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। इस दौरान खंड विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि 100×63 फीट का टीन शेड का निर्माण कराया जा रहा है। जिलाधिकारी की पहल से टीन शेड निर्माण में हैंडपंप रीबोर से प्राप्त पाइपों का उपयोग पिलर निर्माण में किया जा रहा है, जिससे निर्माण लागत में उल्लेखनीय बचत हुई है। इस नवाचार पर मा0 विधायक द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में गौशाला में 183 गौवंश संरक्षित हैं, जिनमें 173 मादा एवं 10 नर गौवंश शामिल हैं। उनकी देखरेख हेतु 6 केयरटेकर तैनात हैं। गौशाला में पेयजल हेतु समरसेबल, विद्युत व्यवस्था तथा सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी प्रणाली सुचारु रुप से संचालित है। उन्होंने यह भी बताया कि निरीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने हेतु क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था लागू की गई है, जिसके माध्यम से निरीक्षण की प्रविष्टि होने पर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ऑनलाइन अवलोकन किया जा सकेगा। उप जिलाधिकारी सासनी ने गौशाला में चल रहे निर्माण कार्यों की कार्ययोजना के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी सासनी, खंड विकास अधिकारी सासनी, ग्राम प्रधान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

ब्यूरो चीफ दुष्यंत पचौरी हाथरस

महोबा में रिश्तों का कत्ल, ससुर ने विधवा बहू को उतारा मौत के घाट

टीवी भारतवर्ष महोबा

यूपी के महोबा में ससुर ने रिश्तों को शर्मशार करते हुए विधवा बहू की लोहे की रॉड से पीट-पीट कर हत्या कर दी। ससुर विधवा बहू पर अवैध संबंध बनाने का दबाव बना रहा था और बहू के इनकार करने पर पोती के सामने ही उसकी मां को मौत के घाट उतार दिया। जबकि महिला के पति की 2025 में कुंभ मेले में मची भगदड़ में मौत हो गई थी। ससुर ने बहू पर डोरे डालने शुरु कर दिए थे। महोबा जिले से आई यह वारदात सिर्फ एक हत्या नहीं रही बल्कि उस दरिंदगी की कहानी बन गई है, जहां ससुर ही अपनी बहू का कातिल बन बैठा है। जिस घर में महिला को सहारा और सुरक्षा मिलना चाहिए वहां उसी की बेटी के सामने उसकी जिंदगी छीन ली गई। यह घटना केवल एक हत्या नहीं रही बल्कि इसके पीछे हवस, दबाव व प्रताड़ना की खौफनाक कहानी छिपी है। मृतका के पिता धवारी गांव निवासी लखन ने बताया कि उसने अपनी बेटी सुखदेवी की शादी चरखारी थाना क्षेत्र के कुरौराडांग निवासी आशाराम पुत्र दयाराम पाल के साथ की थी। बताया कि दामाद आशाराम की 2025 में प्रयागराज में कुंभ मेले में मची भगदड़ में मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद ससुर दयाराम की विधवा बहू पर नजरें डोलने लगी और उसने बहू पर गंदी नजर डालनी शुरु कर दी। जिसकी सूचना बेटी ने अपनी मां और अन्य परिजनों को दी। जिसके बाद रिश्तेदारों और संभ्रांत लोगों की मौजूदगी में समझौता कराया गया, लेकिन हवस का पुजारी ससुर अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। मृतका के पिता ने आरोप लगाते हुए कहा कि गुरुवार को ससुर ने अपनी विधवा बहू को मौका पाकर गलत नियत से पकड़ लिया। बहू के विरोध करने और शोर शराबा मचाने पर नातिन प्रतिज्ञा और अन्य परिजन मौके पर पहुंच गए।

सुनीता को न्याय दिलवाने की जंतर मंतर पर 13 अप्रैल को हुंकार भरेगी हिन्दू महासभा - बी एन तिवारी

टीवी भारतवर्ष

अखिल भारत हिन्दू महासभा दिल्ली प्रदेश के कार्यकर्ता 13 अप्रैल को जंतर मंतर पर थाना सोनिया विहार के विरुद्ध हुंकार भरेंगे। कार्यकर्ता हिन्दू महिला सभा बुराड़ी वार्ड अध्यक्ष सुनीता को थाना सोनिया विहार से न्याय दिलवाने हेतु जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेंगे और आरोपी पक्ष सुरेश गुप्ता का सहयोग करने वाले पुलिस कर्मियों पर विधिसम्मत कार्रवाई की मांग करेंगे। हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता बी एन तिवारी ने आज जारी बयान में यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रदर्शन का नेतृत्व हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी करेंगे। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शन बीती 16 मार्च को पुलिस मुख्यालय पर किया जाना था, किन्तु सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस उपायुक्त कार्यालय जिला नई दिल्ली ने प्रदर्शन की पूर्व संध्या पर प्रदर्शन की अनुमति रद्द करने से प्रदर्शन को स्थगित कर दिया गया था। राष्ट्रीय प्रवक्ता बी एन तिवारी ने बताया कि हिन्दू महासभा कार्यकर्ता सुनीत के नाम सोनिया विहार में 110 गज का प्लॉट पैतृक संपत्ति है। पड़ोसी सुरेश गुप्ता ने प्लॉट के जाली दस्तावेज बनवा लिए हैं और प्लॉट पर अपना दावा कर रहा है। यह प्रकरण तीन साल से थाना सोनिया विहार में लंबित है। स्थानीय पुलिस आरोपी सुरेश गुप्ता के प्रभाव में सुनीता के साथ तीन वर्ष से लगातार अन्याय कर रही है। सुनीता अपने ही प्लॉट पर अपना मकान नहीं बनवा पा रही है और उसे किराए के मकान में रहने पर विवश होना पड़ रहा है। हिन्दू महासभा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र सिंह राजू पार्चा ने कहा कि हिन्दू महासभा सुनीता को न्याय दिलवाने के लिए प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री और पुलिस आयुक्त को अपनी मांगों का ज्ञापन देगी। ज्ञापन देने के बाद सभी प्रदर्शनकारी जंतर मंतर पर आयोजित होने वाले हिन्दू महासभा स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होकर हिन्दू राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेंगे।

हाथरस में 23 मार्च 2026 को सम्पूर्ण समाधान दिवस

समाधान पंजिका में शिकायतों की आख्या का अवलोकन

टीवी भारतवर्ष

हाथरस 23 मार्च 2026 सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ तहसील सासनी में जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौका मुआयना कर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्णढंग से करने के निर्देश दिए। सासनी तहसील सभागार में जनसामान्य की शिकायतों की सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्णढंग से करने के निर्देश दिए। पूर्व में प्राप्त शिकायतों की यथास्थिति एवं निस्तारण की गुणवत्ता सुनिश्चित किए जाने हेतु जिलाधिकारी ने समाधान पंजिका में दर्ज शिकायतों की आख्या का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य जनसमस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करना है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों को लंबित न रखा जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। सासनी समाधान दिवस में 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये तथा 02 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इसके अलावा हाथरस तहसील में कुल 21 शिकायतों में से 03 शिकायत, सादाबाद तहसील में कुल 10 शिकायतों में से 02 तथा सि0राऊ तहसील में कुल 37 शिकायतों में से 02 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील समाधान दिवस के मौके पर उप जिलाधिकारी सासनी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य तहसील स्तरीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

ब्यूरो चीफ दुष्यंत पचौरी हाथरस